हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(बसंत)(पाठ 7)(विजय तेंदुलकर– पापा खो गए)

(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

नाटक से

प्रश्न 1:

नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों ?

उत्तर 1:

नाटक में सबसे बुद्धिमान पात्र कौआ लगा क्योंकि उसके पास हर जगह का समाचार रहता था और वह घूम–घूम कर सबको खबर देता था। उसे अच्छे–बुरे की पहचान थी और वही अपनी सूझबूझ से दुष्ट व्यक्ति से बच्ची को बचाता है और उसे सही सलामत घर पहुँचाने की तरकीब भी वही सोचता है ।

प्रश्न 2:

पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई ?

उत्तर 2:

खंबा शुरू–शुरू में अपनी अकड़ के कारण वह पेड़ से नहीं बोलता था । उसे अपने ऊपर घमंड था वह पेड़ को कुछ भी नहीं समझता था । एक दिन घनघोर बारिश और तेज हवा के कारण वह खंबा पेड़ पर गिर पड़ा पर पेड़ ने सरलता दिखाते हुए उससे कुछ नहीं कहा उसकी इसी सरलता को देखकर खंबे को अपने ऊपर लज्जा आई और उसकी दोस्ती उस पेड़ से हो गई ।

प्रश्न 3:

लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे ?

उत्तर 3:

लैटर बक्स लाल रंग से रंगा हुआ था , उसके रंग के कारण ही सब उसे ताऊ कहकर पुकारते थे ।

प्रश्न 4:

लाल ताऊ किस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है ?

उत्तर 4:

लाल ताऊ सबसे अलग पढ़ा–लिखा और अपने में ही हर समय मस्त रहने वाला था । वह हर समय अकेले ही भजन गुनगुनाता रहता था । इसीलिए वह बाकी पात्रों से भिन्न है ।

प्रश्न 5:

नाटक में बच्ची को बचाने वाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन–कौन सी बातें आपको मजेदार लगीं ? लिखिए।

उत्तर 5:

नाटक में एक ही सजीव पात्र है और वह है कौआ जो ताऊ के भजनों की आवाज को सुनकर उठ जाता है और नींद खराब होने पर चिढ़कर ताऊ से उसका बोलना अच्छा लगता है । वही भूत–भूत चिल्लाकर दुष्ट आदमी से बच्ची को बचाता है और उसी के कहने पर लाल ताऊ ने पापा खो गए पोस्टर लिखा था , उसकी यही सब बातें मजेदार लगीं ।

प्रश्न 6:
क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे ?

उत्तर 6:
लड़की बहुत छोटी और नादान थी वह अपना नाम पिता का नाम और घर का पता भी ठीक से नहीं बता पा रही थी इसीलिए सभी पात्र मिलकर भी उसे घर तक नहीं पहुॅचा पा रहे थे ।

नाटक से आगे

प्रश्न 1:
अपने–अपने घर का पता लिखिए तथा चित्र बनाकर वहाँ पहुँचने का रास्ता भी बताइए।

उत्तर 1:
बच्चे अपने अनुसार अपने घर का पता और चित्र बनाकर कक्षा में प्रस्तुत करेंगे ।

प्रश्न 2:
मराठी से अनूदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा ? अगर आपके मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।

उत्तर 2:
नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' इसलिए रखा गया क्योंकि इसमें एक ऐसी बच्ची की कहानी है जो बहुत छोटी है और अपने घर का पता अपना नाम और अपने पिता नाम बताने में असमर्थ है नाटक के पात्र लाल ताऊ के द्वारा तैयार किए गए पोस्टर के आधार पर पुलिस उस बच्ची को उसके घर तक पहुॅचा देती है । इस पाठ का अन्य शीर्षक बच्ची खो गई भी हो सकता है ।

प्रश्न 3:
क्या आप बच्ची के पापा को खोजने का नाटक से अलग कोई और तरीका बता सकते हैं ?

उत्तर 3:
बच्ची को खोजने के अन्य साधन भी हो सकते हैं जैसे उकी फोटो को गुमशुदा के विज्ञापन के साथ अखबार में छापना , रेडियो , टीवी पर तथा सोशल मीडिया पर उसकी गुमशुदगी का प्रचार कर खोज सकते हैं ।